इस्लाम का असली संदेश इंसानियत

ईद-उल-अजहा त्योहार पर मुस्लिम समुदाय ने ईदगाह सहित मस्जिदों में अदा की नमाज

निज संवाददाता

भोपाल, 28 मई. राजधानी भोपाल में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार गुरुवार को अमन, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव के माहौल में मनाया गया. सुबह शहर की विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर देश में शांति, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी, ईदगाह में सुबह मुख्य नमाज के दौरान करीब एक लाख नमाजी शामिल हुए. प्रशासन और आयोजकों की ओर से सुरक्षा, ट्रैफिक, पानी और साफ-सफाई के विशेष इंतजाम किए गए थे.

मुस्लिम धर्मगुरु और नायब काजी-ए-शहर मुफ्ती अबुल कदर हुसैनी ने कहा कि इस्लाम का

असली संदेश इंसानियत, मोहब्बत और अमन कायम करना है. उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने हमेशा गरीबों, जरूरतमंदों और पड़ोसियों का ख्याल रखने की सीख दी है. कुर्बानी केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि त्याग, सेवा और आपसी भाईचारे का प्रतीक है.

नमाज पढ़ने आए युवक फजल अहमद ने

कहा कि बकरीद का सबसे बड़ा संदेश अपने अंदर की नफरत, ईर्ष्या और मतभेदों को खत्म करना है. उन्होंने कहा कि अब लोग सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सोशल मीडिया पर संवेदनशील तस्वीरें साझा करने से बच रहे हैं.

सैफ खान ने कहा कि 'ईद केवल मुसलमानों

का त्योहार नहीं, बल्कि हिंदुस्तान की साझी तहजीब, मोहब्बत का प्रतीक है. जब हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होते हैं, तभी देश की असली खूबसूरती दिखाई देती है. हमें नफरत से ऊपर उठकर भाईचारे और एकता का संदेश आगे बढ़ाना चाहिए.'

ईदगाह के अलावा शहर की अन्य मस्जिदों में भी ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई. भीषण गर्मी के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी. लोगों ने स्वच्छता, पर्यावरण व प्रशासन की गाइडलाइंस का पालन किया. नगर निगम और सामाजिक संगठनों की जागरूकता अपील का भी सकारात्मक असर देखने को मिला.

'मुझे मालूम है उसका ठिकाना फिर कहां होगा...'

बशीर बद्र के निधन से उर्दू शायरी की एक सुनहरी आवाज़ खामोश

निज संवाददाता

भोपाल, 28 मई. उर्दू अदब की दुनिया के महान शायर बशीर बद्र अब इस दुनिया में नहीं रहे. गुरुवार शाम को शाहजहांनाबाद क्षेत्र में स्थित शाही बड़ा बाग कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द ए खाक किया गया.

उनके जाने से साहित्य जगत, उनके चाहने वालों, प्रशंसकों और करीबी साथियों में गहरा दुख और सन्नाटा छा गया. हर तरफ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जा रही है. बशीर साहब ने अपनी ग़ज़लों और शायरी से करोड़ों दिलों को छुआ. उनकी लिखी पंक्तियां आज भी लोगों की जुबान पर हैं. प्रेम, दर्द और इंसानी रिश्तों को उन्होंने बेहद खूबसूरती से शब्द दिए. साहित्य और शायरी की दुनिया में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा. उनके निधन से उर्दू शायरी का एक सुनहरा अध्याय समाप्त हो गया.

बशीर साहब जैसे शायर सदियों में पैदा होते हैं

'बशीर बद्र साहब के निधन की खबर दिल को चीर देने वाली है. साहित्य और गजल की दुनिया ने आज एक ऐसी आवाज खो दी है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती. ऐसे शायर सदियों में पैदा होते हैं. मैं ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं. हमारा रिश्ता सिर्फ मुलाकातों तक सीमित नहीं था, बल्कि कला और एहसास का रिश्ता था. वह अक्सर हमारे घर आते थे. जगजीत सिंह जी की गजलों में मेरी बांसुरी होती थी और बशीर साहब बांसुरी के दर्द को पहचानते थे. मैं उनके लफ्जों के दर्द को समझता था. **- पद्मश्री पंडित रोनू मजूमदार**

'बशीर बद्र साहब के जाने से केवल एक महान शायर की आवाज़ ख़ामोश नहीं हुई, बल्कि उर्दू अदब का स्वर्णिम अध्याय मानो खत्म हो गया. उन्होंने शायरी को महज़ अल्फ़ाज़ की सजावट नहीं रहने दिया, उसे आम इंसान के जज़्बात, मोहब्बत की रूहानी गरमाहट से जोड़ दिया.

- डॉ. नुसरत मेहदी, निदेशक, मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

देश-विदेश में जब भी ग़ज़ल की बात होगी, बशीर साहब का नाम बहुत ही अदब से लिया जायेगा। उनके शे'र जहां पार्लियामेंट में गूंजते थे मैं बचपन से उनके शे'रों को पढ़ता आया हूं, बनारस में था तो हर पुस्तक मेला में जाना और उनकी कम से कम एक पुस्तक खरीद लाना एक जरूरत से ज्यादा लत हो चुकी थी.

- मनीष बादल, ग़ज़लकार

'शब्दों की दुनिया में कुछ आवाज़ें कभी ख़ामोश नहीं होतीं. बशीर बद्र साहब की शायरी सिर्फ़ अल्फ़ाज़ नहीं, बल्कि एहसासों की एक जीवित धरोहर है. उन्होंने मोहब्बत, रिश्तों, तन्हाई और इंसानी संवेदनाओं को जिस खूबसूरती से अपनी ग़ज़लों में पिरोया.भोपाल की मिट्टी को आप पर हमेशा गर्व रहेगा.

- सुरेखा कामले, ध्रुपद गायिका

आंचलिक विज्ञान केन्द्र, कार्यशाला का समापन

भोपाल, 28 मई. आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में 'अवकाश रचनात्मक विज्ञान कार्यशाला के अंतर्गत 26 से 28 मई तक आयोजित तीन दिवसीय 'कोड एंड क्रिएट-आर्डुइनो इनोवेशन लैब' कार्यशाला का गुरुवार को समापन हुआ.

कार्यशाला में विद्यार्थियों को आर्डुइनो बोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, सेंसर एवं कोडिंग की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराया गया. उन्होंने स्विच कनेक्शन, मल्टी-कलर एलईडी नियंत्रण, सर्किट इंटीग्रेशन तथा विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक घटकों के कार्य एवं उपयोग को व्यावहारिक

गतिविधियों के माध्यम से समझा. प्रतिभागियों ने ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली के पीछे कार्य करने वाले इलेक्ट्रॉनिक सिद्धांतों का अध्ययन करते हुए आर्डुइनो आधारित ट्रैफिक लाइट मॉडल भी तैयार किए. साथ ही विद्यार्थियों ने सेंसर एवं प्रोग्रामिंग के माध्यम से स्मार्ट सिस्टम विकसित कर इंटरैक्टिव प्रोजेक्ट्स तैयार किए. समापन अवसर पर प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सक्रिय सहभागिता के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए.

हिन्दी पत्रकारिता द्विशताब्दी राष्ट्रीय महोत्सव दिल्ली में 30-31 मई को

भोपाल, 28 मई. हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर आगामी 30-31 मई को दिल्ली में राष्ट्रीय द्विशताब्दी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है.

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली एवं माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त आयोजन में 'स्मारक डाक टिकट एवं प्रथम दिवस आवरण' का लोकार्पण होगा. 'हिन्दी पत्रकारिता: 200 साल की महागाथा' स्मारक ग्रंथ का विमोचन किया जाएगा.

एक नजर में

सफेद चंदन से बाबा बटेश्वर का अभिषेक

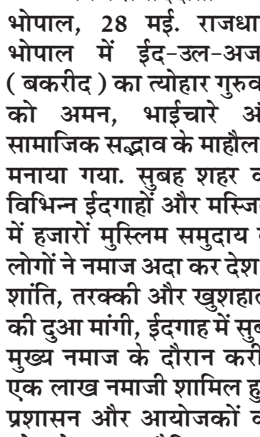

भोपाल, 28 मई. श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा गुरु प्रदोष के अवसर पर कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद चंदन, अक्षत एवं कनेर के पुष्प तथा विजया से बाबा बटेश्वर का प्रदोष काल में अभिषेक किया गया. समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया बृहस्पति ग्रह की शांति, विवाह में आने वाली बाधाओं, आर्थिक परेशानियों से राहत एवं पारिवारिक कलह खत्म करने हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा बटेश्वर का अभिषेक पूजन किया. रात्रि 10 बजे चंदन मोगरा गुलाब इत्यादि फूल एवं विभिन्न रत्नों की मालाओं से बाबा का विशेष श्रृंगार कर महा आरती की गई.

आईआईएम डायरेक्टर को मप्र आने का दिया न्योता

भोपाल, 28 मई. देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित तीन दिवसीय विशेष अध्ययन एवं संवाद सत्र में आकाश सिंह राजपूत ने मध्यप्रदेश से प्रतिनिधित्व करते हुए शिक्षा, युवा नेतृत्व और ग्रामीण विकास से जुड़े अपने अनुभव साझा किए. सत्र के समापन अवसर पर उन्होंने संस्थान के डायरेक्टर भारत भास्कर को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण भी दिया. सागर जिले की सुरखी से संबंध रखने वाले युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष राजपूत को डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वारा इस विशेष सत्र में मध्यप्रदेश की ओर से अपनी बात रखने का अवसर मिला. देशभर से 50 लोगों को चिंहित किया जिसमें मप्र में आकाश सिंह राजपूत उन 50 युवाओं में से चुने गए और शोधार्थी के रूप में आकाश सिंह ने सहभागिता की.

आईसेक्ट ने लांच किया 'रॉयल निमाड़ ईगल्स जिंगल'

भोपाल, 28 मई. मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 क्रिकेट में वर्ष 2025 में प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर के रूप में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद आईसेक्ट समूह ने इस बार भी अपनी नई पुरुष एवं महिला क्रिकेट टीम का 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' लॉन्च किया. कार्यक्रम के दौरान खेल एवं क्रिकेट के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले करीब 10 व्यक्तित्वों एवं टीम के स्पॉन्सर्स का सम्मान किया गया. साथ ही रॉयल निमाड़ ईगल्स की मेंस एवं वूमेंस टीम का स्वागत किया गया. इस दौरान आईसेक्ट समूह के चेयरमैन संतोष चौबे, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी एवं एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी उपस्थित रहे.

ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारेगी भारतीय भाषा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 28 मई. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत देश की शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. भारतीय भाषा पुस्तक समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) और मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को 'भारतीय भाषा पुस्तक योजना' की पहली राज्य स्तरीय बैठक हुई.

बैठक में भारतीय भाषा पुस्तक समिति के अकादमिक समन्वयक डॉ. चन्दन श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना के तहत लगभग 2.5 लाख पुस्तकों के लेखन का लक्ष्य रखा गया है. ये सभी पुस्तकें स्कूल और उच्च शिक्षा से संबंधित होंगी, जो पूरी तरह डिजिटल और

इंटरएक्टिव रूप में वेब पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगी. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने कहा कि हमें विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र से अंग्रेजी के प्रभुत्व को समाप्त करना होगा, क्योंकि अंग्रेजी के चक्कर में अक्सर ग्रामीण प्रतिभाओं का दमन हो जाता है. डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कहा कि किताबों का डिजिटल वर्जन और सोशल मीडिया पर प्रचार जरूरी है, यहां तक कि सॉफ्टवेयर लिखने की भाषा भी अब हिंदी में विकसित होनी चाहिए. मप्र में फीस रेगुलेटरी अथॉरिटी के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे ने सुझाव दिया कि हर विषय के समूह में एक वरिष्ठ लेखक के साथ दो जूनियर लेखकों को जोड़ा जाए. इसके लिए मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के डेटाबेस की मदद ली जाएगी. भोज विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने कहा कि स्तरीय पुस्तकों का लेखन एक चुनौती है और इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा को भी शामिल किया जाएगा.

विजय नगर में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

भोपाल, 28 मई. विजय नगर, लालघाटी में पुरुषोतम मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को कलश यात्रा के साथ हुआ.

दो जुड़वा शिशुओं को मिली आंखों की रोशनी

▶ सेवासदन आई हॉस्पिटल ने नि:शुल्क किया उपचार

भोपाल, 28 मई. सेवा सदन आई हॉस्पिटल ने समय से पूर्व जन्मे दो जुड़वा शिशुओं का नि:शुल्क ऑपरेशन कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई है.

छिंदवाड़ा निवासी राज और रानी के घर 27 दिन पहले जुड़वा बच्चों - एक बेटे और एक बेटी का जन्म हुआ। दोनों बच्चों का जन्म केवल सात महीने में हो गया. इस कारण वे अत्यंत कमजोर और गंभीर स्थिति में थे। जन्म के तुरंत बाद शिशुओं को छिंदवाड़ा के जिला अस्पताल की एनआईसीयू में भर्ती किया गया. समय से पहले

जन्म लेने और कम वजन होने के कारण दोनों बच्चों में 'रेटिनोपैथी ऑफ प्री-मैच्युरिटी (आरओपी) नामक आंखों की गंभीर बीमारी के लक्षण पाए गए. यह बीमारी समय पर इलाज न मिलने पर बच्चों को हमेशा के लिए अंधत्व की ओर धकेल सकती है. बच्चों के माता-पिता आर्थिक रूप से बेहद

कमजोर थे. अपने बच्चों की गंभीर स्थिति को देखकर वे पूरी तरह चिंतित और निराश थे. महंगे इलाज की चिंता के कारण उन्होंने उम्मीद लगभग खो दी थी. ऐसे कठिन समय में सेवासदन आई हॉस्पिटल ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दोनों बच्चों का नि:शुल्क उपचार किया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली. सेवा सदन अस्पताल की वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. सोनल पालीवाल ने दोनों बच्चों की जांच की. जांच में पाया कि तुरंत एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन की आवश्यकता है. यह इंजेक्शन आंखों में बनने वाली असामान्य रक्त वाहिकाओं की वृद्धि को रोकता है और बच्चों को रेटिना डैमेज, ब्लीडिंग तथा स्थायी अंधेपन से बचाता है. समय पर उपचार मिलने से अब दोनों बच्चों की स्थिति बेहतर है.अस्पताल की रेटिना विशेषज्ञ ने कहा कि 34 सप्ताह से कम अवधि में जन्मे तथा 2000 ग्राम से कम वजन वाले बच्चों की आंखों की जांच जन्म के 20 से 30 दिनों के भीतर अवश्य करानी चाहिए.

नायर अकादमी की बड़ी जीत

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 28 मई. डीपीएस क्रिकेट मैदान पर गुरुवार को खेले गए एचएमजी कप 2026 इंटर क्लब-अकादमी क्रिकेट टूर्नामेंट के मुकाबले में नायर क्रिकेट अकादमी ने भोपाल लेपर्ड्स क्रिकेट अकादमी को 78 रनों से हरा दिया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नायर क्रिकेट अकादमी की शुरुआत शानदार रही.

टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 281 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया. टीम की जीत के हीरो रहे सोहम मेहर, उन्होंने 112 रनों की बेहतरीन पारी खेली. प्रखर चंद्र ने 48 रन और अंकुश विश्वकर्मा ने 38 रन का योगदान दिया.282 रनों के लक्ष्य का पीछा

एचएमजी कप 2026

करने उतरी भोपाल लेपर्ड्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई. ऋषभ शर्मा ने शानदार 88 रन बनाए, जबकि हितार्थ परछानी ने 29 और अनय अग्रवाल ने 25 रन जोड़े. नायर अकादमी के गेंदबाज ऋषि यादव ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया.

सदानीरा समागम | भारत भवन में वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों ने जलसंकट, पर्यावरण पर जताई चिंता

जल संरक्षण, ग्रीन एनर्जी अपनाने पर विशेषज्ञों ने दिया जोर

निज संवाददाता

भोपाल, 28 मई. भारत भवन में वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित सदानीरा समागम के दूसरे दिन जल, ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा पर चर्चा हुई. इस दौरान वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण,जल संकट और सस्टेनेबिलिटी पर अपने विचार रखे.

इसरो हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. प्रकाश चौहान ने कहा कि यदि आने वाले वर्षों में ग्लेशियर इसी गति से पिघलते रहे तो दुनिया को गंभीर जल संकट का सामना

करना पड़ेगा. उन्होंने भारतीय संस्कृति में नदियों के महत्व और जल संरक्षण की जरूरत पर जोर दिया. साथ ही फ्लोटिंग सोलर जैसे विकल्पों को भविष्य के लिए जरूरी बताया. टाटा ट्रस्ट के एचएन श्रीनिवास ने अग्नि तत्व को ऊर्जा और आत्मशुद्धि का प्रतीक बताते हुए ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने की बात कही.

काशी विद्वत परिषद के प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने भारतीय संस्कारों में अग्नि तत्व के महत्व को समझाया. ओएनजीसी के पीयूष प्रेरतरिया ने कहा कि लगातार प्राकृतिक संसाधनों का दोहन मानवता के लिए खतरा बनता जा रहा है.

उन्होंने पानी बचाने, रिसाइक्लिंग बढ़ाने और प्लास्टिक का कम उपयोग करने की अपील की. कार्यक्रम में बीएचयू के विनयकुमार पांडेय, टाटा संस के चाको थॉमस, हिंदाल्को के अविजीत राजू, वेदांता ग्रुप के अनुपम निधि और कैल्डेरिस की उत्सवी दीपक ने भी सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार रखे.

शुभम की गेंद, नित्यम के बल्ले ने पलटा मैच

▶ प्रसून सारंग स्मृति अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 28 मई. प्रसून सारंग स्मृति अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को युवा खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने को मिला. विश्वास सारंग क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में शिवाय क्रिकेट एकेडमी ने पीपीसीए को 170 रनों के बड़े अंतर से हराकर जोरदार जीत दर्ज की.

वहीं दूसरे मुकाबले में सिली पॉइंट क्रिकेट एकेडमी ने रेलवे गर्वित को 3 विकेट से हरा दिया.

पहले मैच में स्ष्ट ने बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में 5 विकेट पर 261 रन का बड़ा स्कोर बनाया. .टीम की जीत के हीरो नित्यम माहेश्वरी रहे, जिन्होंने शानदार नाबाद 107 रन बनाए. उनकी पारी में कई आकर्षक शॉट देखने को मिले. श्रीविक तनेजा ने भी 80 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीपीसीए की टीम दबाव में नजर आई और 23.5 ओवर में 91 रन पर ऑलआउट हो गई. अथर्व ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए.